अजा, एडका, चटका, [1]अश्वा, मूषिका इति जातिः। बाला, होढा, पाका, [2]वत्सा, मन्दा, विलाता [3]इति वयः। [4]पूर्वापहाणा, अपरापहाणा। टित्, निपातनाण् णत्वम्। [5]'संभस्त्राजिनशणपिण्डेभ्यः फलात्' (ग.सू. ३७)। सम्फला। [6]भस्त्रफला। अजिनफला। शणफला। पिण्डफला[7]। 'त्रिफला द्विगौ' (ग. सू. ३८)। बहुव्रीहौ त्रिफली संहतिः। 'सदच्प्राक्काण्डप्रान्तशतैकेभ्यः पुष्पात्' (ग.सू. ३९)। सत्पुष्पा। प्राक्पुष्पा। काण्डपुष्पा। प्रान्तपुष्पा। शतपुष्पा। एकपुष्पा। पाककर्ण (४.१.६४/५१९) [8]इति ङीषोऽपवादः। 'शूद्रा चामहत्पूर्वा [9]जातिः' (ग. सू. ४०)। क्रुञ्चा, उष्णिहा, देवविशा हलन्ताः। ज्येष्ठा, कनिष्ठा, मध्यमा [10]पुंयोगः। [11]कोकिला जातिः। 'मूलान्नञः' (ग. सू. ४१)। अमूला[12]॥

ऋन्नेभ्यो ङीप्। (५/३०६)

ऋकारान्तेभ्यो नकारान्तेभ्यश्च प्रातिपदिकेभ्यः स्त्रियां ङीप् प्रत्ययो भवति। ङकारः सामान्यग्रहणार्थः[13]। कर्त्री। हर्त्री। दण्डिनी। छत्रिणी[14]॥

उगितश्च। (६/४५५)

[15]उग् इत् यत्र सम्भवति यथाकथंचित् तदुगिच्छब्दरूपं, तदन्तात् स्त्रियां ङीप् प्रत्ययो भवति। [16]भवती। अतिभवती। [17]पचन्ती। यजन्ती।

[३३५] धातोरुगितः प्रतिषेधो वक्तव्यः। (म. भा. २.२०२)

उखास्रत्। पर्णध्वत् ब्राह्मणी।

[३३६] अञ्चतेश्चोपसङ्ख्यानम्। (म. भा. २.२०२)

प्राची। प्रतीची। [18]उदीची॥

वनो र च। (७/४५६)

वन्नन्तात् प्रातिपदिकात् स्त्रियां ङीप् प्रत्ययो भवति, रेफश्चान्तादेशः। धीवरी। पीवरी। [19]शर्वरी। परलोकदृश्वरी[20]। 'ऋन्नेभ्यो ङीप्' (४.१.५/३८६) इत्येव ङीपि सिद्धे तत्सन्नियोगेन रेफविधानार्थं वचनम्।

[३३७] वनो न हशः[21]। (म. भा. २.२०२)

प्राप्तौ[22] ङीब्रौ उभावपि प्रतिषिध्येते। सहयुध्वा ब्राह्मणी॥

---

1. कोकिला क. फ. ह, खट्वा इ. 2. पोटा ड. 3. इत्यत्र वयोवचना ह. 4. पूर्वापहारणा, अपरापहारणा इति ड, अपरापहरणा फ. 5. शशप्लुता शशलङ्घिता क्तान्तत्वाद् आख्यायाम् इति ङीषोऽपवादः इत्यधिकम् फ. ह. 6. शस्त्रफला ह. 7. एकफला इत्यधिकम् ह. 8. इत्यादिभ्यः च फ. 9. जातिरूपत्वात् ह. 10. पुंयोगे ब, पुंयोगेऽपि ड. 11. कोकिला जातिः नास्ति फ. 12. दंष्ट्रा इत्यधिकम् फ. 13. पकारः सामान्यग्रहणाविघातार्थः इत्यधिकम् अ.ब.ड.ग, तद्विघातार्थः इत्यधिकम् क. फ, स्वरार्थं इत्यधिकम् इ. ह. 14. हस्तिनी क्षेत्रिणी देववादिनी इत्यधिकम् क. फ, वेदवादिनी इत्यधिकम् ड.फ. 15. उगित् यस्य क, उगिद्भ्यः प्रातिपादिकेभ्यः फ. 16. भवती अतिभवती नास्ति फ, जयन्ती अतियजन्ती ड. 17. जयन्ती इ. 18. अवाची इत्यधिकम् ग, नास्ति ड. फ. ह. 19. शर्वरी फ. 20. गत्वरी इत्यधिकम् क. 21. इति वक्तव्यम् इत्यधिकम् फ. 22. ङीब्रेफौ अ.क.फ, ङीब्रौ द्वावपि ह, ङीप्रेफौ द्वावपि ड.